गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 080
दि. 19.07.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1 ने रचा इतिहास, अपने साथ क्यों ले गया सोना, हीरा और मूर्तियां?

(जीएनएस)।

भारत ने स्पेस सेक्टर में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख दिया। हैदराबाद के स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस का विक्रम-1 रॉकेट आसमान का सीना चीरते हुए अंतरिक्ष के लिए रवाना हो गया। यह भारत का पहला ऐसा प्राइवेट रॉकेट है, जिसने ऑर्बिटल मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। 18 जुलाई 12 बजकर 5 मिनट पर रॉकेट ने अपनी तय कक्षा में पेलोड्स को स्थापित किया, तो मिशन कंट्रोल रूम में खुशी की लहर दौड़ गई और वहां एक ही आवाज गूंजी, "हेलो स्पेस, हम आ चुके हैं।"

इस ऐतिहासिक मिशन को 'आगमन' नाम दिया गया है। इसकी सफलता के साथ ही भारत अब उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है, जहां निजी कंपनियां भी अंतरिक्ष में रॉकेट भेज रही हैं। साल 2020 में भारत सरकार ने जब से निजी कंपनियों के लिए स्पेस के दरवाजे खोले हैं, तब से यह देश की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक छलांग है। ऐसे में आइए जानते हैं इस मिशन से जुड़ी हर खास और बड़ी बातें।

पीएम मोदी ने विक्रम-1 रॉकेट की पहली उड़ान पर क्या कहा?

इस मिशन की शुरूआत में एक समय ऐसा भी आया जब वैज्ञानिकों की सांसें अटक गईं। तय समय यानी सुबह 11:30 बजे से ठीक कुछ मिनट पहले तकनीकी वजहों से लॉन्चिंग को थोड़ी देर के लिए रोक दिया गया था। लेकिन स्काईरूट की युवा टीम ने सूझबूझ दिखाई और 12:21 बजे मिशन के पूरी तरह सफल होने का एलान कर दिया गया।

इस कामयाबी के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट के सीईओ पवन कुमार चंदना को फोन मिलाकर पूरी टीम को बधाई दी। बातचीत के दौरान पवन कुमार चंदना ने एक बेहद दिलचस्प जानकारी दी कि इस पूरे मिशन को अंजाम देने वाली टीम की औसत उम्र सिर्फ 28 साल है।

इस ऐतिहासिक कामयाबी पर बधाई देते हुए देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा,

"आपकी इस युवा टीम ने देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। आपने न सिर्फ अंतरिक्ष में भारत की उम्मीदों को नई उड़ान दी है, बल्कि देश के युवाओं के सपनों को भी नई जड़ें दी हैं। मुझे भारत के युवाओं की काबिलियत पर जो भरोसा था, उसे आपकी टीम ने सच साबित कर दिखाया है।"

रॉकेट पर छपे हैं इंजीनियरों के नाम और PM मोदी का खास संदेश

विक्रम-1 रॉकेट अपने साथ सिर्फ तकनीक ही नहीं, बल्कि एक बेहद भावुक संदेश भी लेकर गया है। स्काईरूट के सीईओ ने पीएम मोदी को बताया कि रॉकेट के साथ एक विशेष पोस्टकार्ड भेजा गया है, जिस पर खुद पीएम मोदी ने अपने हाथों से "वंदे मातरम" लिखा है। यानी अब अंतरिक्ष में भी भारत का यह नारा गूंज रहा है। इसके साथ ही दुनिया भर के लोगों की शुभकामनाओं वाले सैकड़ों कार्ड भी इस सफर का हिस्सा बने हैं।

इस मिशन की एक और सबसे खूबसूरत बात यह है कि विक्रम-1 को बनाने में जिन इंजीनियरों, तकनीशियनों और टीम के साथियों ने रात-दिन एक किया, उन सभी के हस्ताक्षर इस रॉकेट की बॉडी पर अंकित किए गए थे। यह उन सभी लोगों की मेहनत को सम्मान देने का एक अनोखा तरीका था।

विक्रम-1 अंतरिक्ष अपने साथ क्या लेकर पहुंचा?

इस मिशन का सबसे भावुक हिस्सा वह पेलोड है जो भारत के

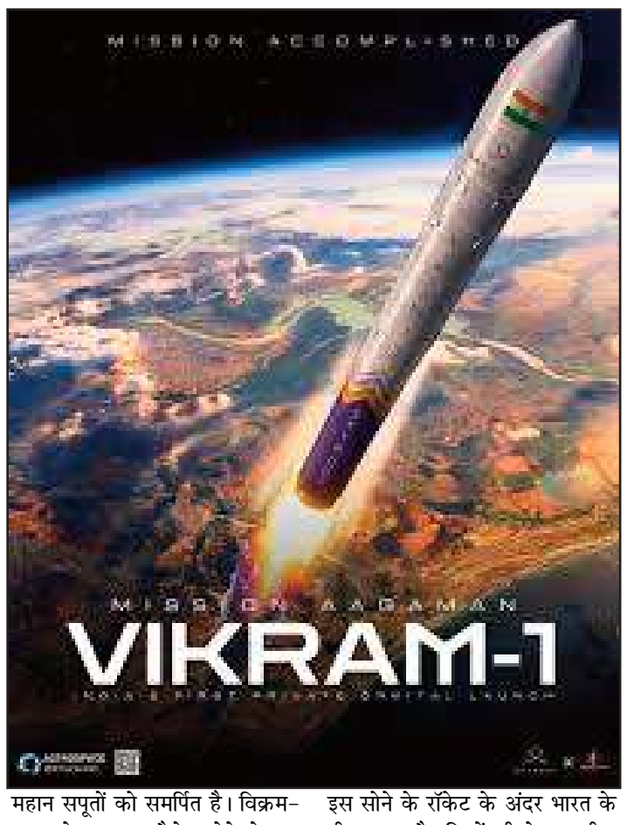

महान सपूतों को समर्पित है। विक्रम-1 अपने साथ 18 कैरेट सोने से बना एक नन्हा सा रॉकेट लेकर गया है। इस सोने के रॉकेट के अंदर भारत के तीन महान वैज्ञानिकों की बेहद बारीक और छोटी प्रतिमाएं रखी गई हैं। इनमें शामिल हैं...।

भारत के मिसाइल मैन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई

नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिक विज्ञानी डॉ. सी.वी. रमन

इन तीनों महापुरुषों की मूर्तियों को अंतरिक्ष में भेजना भारत के वैज्ञानिक इतिहास को एक बड़ी श्रद्धांजलि है, जो आने वाली पीढ़ी को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

लैब में बना हीरा और स्पेस का कचरा साफ करने वाला रोबोट

विक्रम-1 अपने साथ 6 खास पेलोड लेकर गया है, जो विज्ञान, कला और पर्यावरण सुरक्षा का बेहतरीन कॉम्बिनेशन हैं। यह कॉस्मॉस डायमंड्स की बनाई एक कलाकृति है, जिसके तहत लैब में तैयार किए गए एक खास हीरे को अंतरिक्ष में भेजा गया है। इसे कला और विज्ञान को एक मंच पर लाने का एक अनोखा प्रयोग माना जा रहा है।

भारतीय स्टार्टअप कॉस्मोसर्व स्पेस का यह पेलोड बेहद क्रांतिकारी है। यह अंतरिक्ष में ऐसे रोबोटिक सिस्टम की जांच करेगा, जो भविष्य में स्पेस में तैर रहे बेकार सैटेलाइटों और रॉकेटों के मलबे को साफ कर सके। पृथ्वी की कक्षा में घूम रहा यह कचरा दूसरे सैटेलाइटों के लिए बड़ा खतरा है।

ग्रह स्पेस का यह छोटा सैटेलाइट कम बजट में स्पेस रिसर्च की क्षमता को साबित करने के लिए भेजा गया है। अंतरराष्ट्रीय पेलोड के तौर पर जर्मनी का यह पेलोड नई स्पेस टेक्नोलॉजी की टेस्टिंग के लिए भेजा गया है, जो भविष्य के वैश्विक मिशनों में काम आएगा। यह स्काईरूट का अपना खुद का एक्सपेरिमेंटल पेलोड है, जो आने वाले समय में इनके रॉकेटों को और ज्यादा एडवांस बनाने के लिए डेटा जुटाएगा।

कार्बन फाइबर बॉडी और 3D प्रिंटेड इंजन की ताकत

अगर तकनीक की बात करें तो विक्रम-1 किसी अजूबे से कम नहीं है। यह सात मंजिला ऊंची इमारत जितना बड़ा रॉकेट है, जिसे पूरी तरह से ऑल-कार्बन कंपोजिट स्ट्रक्चर से तैयार किया गया है। इसका मतलब यह है कि यह वजन में बेहद हल्का और मजबूती में स्टील से भी कई गुना ज्यादा ताकतवर है।

इस रॉकेट में स्काईरूट के खुद के बनाए प्रोपल्शन सिस्टम का इस्तेमाल हुआ है, जिसमें सबसे आधुनिक 3ऊ-प्रिंटेड इंजन और बेहद ताकतवर सॉलिड-फ्यूल बूस्टर लगे हैं। यह रॉकेट छोटे सैटेलाइट्स को लो अर्थ ऑर्बिट में भेजने के लिए एकदम सटीक है।

सहरसा के एक ही घर से निकलेंगे 3 डॉक्टर! किराना दुकानदार के बच्चों ने नीट यूजी 2026 में रचा इतिहास

बिहार के सहरसा से एक ऐसी कहानी सामने आई है एक साधारण परिवार के तीन भाई-बहनों ने एक साथ नीट यूजी 2026 परीक्षा पास कर यह साबित कर दिया कि सफलता महंगी कोचिंग या बड़े शहरों पर नहीं, बल्कि मेहनत, अनुशासन और लगातार प्रयास पर निर्भर करती है। आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होने के कारण परिवार बच्चों को कोटा या दिल्ली जैसे शहरों में पढ़ाई के लिए भेजने में सक्षम नहीं थे। इसके बावजूद तीनों ने अपने ही शहर में रहकर तैयारी की और मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम में सफलता हासिल कर ली। अब यह परिवार पूरे सहरसा जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सहरसा के रहने वाले रजनीश कुमार, प्रहलाद कुमार और उनकी बहन साक्षी ने NEET UG 2026 में सफलता हासिल की है। खास बात यह है कि तीनों ने अपने होम टाउन में रहकर परीक्षा की तैयारी की और एक साथ टEET UG पास कर परिवार का नाम रोशन किया। रिपोर्ट के मुताबिक, रजनीश और प्रहलाद ने उइरए बोर्ड से अपनी पढ़ाई पूरी की, जबकि साक्षी ने बिहार बोर्ड से स्कूलिंग की। अलग-अलग बोर्ड में पढ़ने के बावजूद तीनों का लक्ष्य एक ही था, डॉक्टर बनना।

तीनों भाई-बहनों के पिता रोहित आनंद एक छोटी सी किराने की दुकान चलाकर परिवार का खर्च उठाते हैं। सीमित आय होने की वजह से बच्चों को कोटा या दिल्ली में कोचिंग के लिए भेजना संभव नहीं था। माता-पिता ने बच्चों से साफ कहा कि वे बाहर पढ़ाई का खर्च नहीं उठा सकते।

फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के लिए दिल्ली में रातभर खुलेंगे रेस्टोरेंट-कैफे,उट रेखा गुप्ता ने बताया क्यों लिया फैसला?

फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल सिर्फ खेल प्रेमियों के लिए ही नहीं, बल्कि दिल्ली के रेस्टोरेंट और कैफे कारोबार के लिए भी खास होने

वाला है। दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि इस वीकेंड राजधानी में रेस्टोरेंट, कैफे और फूड कोर्ट सुबह 4 बजे तक खुले रह सकेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खुद इसकी जानकारी दी और कहा कि दिल्ली अब फुटबॉल की सबसे बड़ी रात के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्रधानमंत्री मोदी से मशहूर इंडस्ट्री लीडर रविकांत की मुलाकात, अपनी किताब की प्रति भेंट की

(जीएनएस)।

देश के जाने-माने इंडस्ट्री लीडर रविकांत ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अपनी किताब 'लीडिंग फ्रॉम द बैक झ टू अचीव द इम्पॉसिबल' की एक कॉपी सौंपी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी देते हुए कहा कि जाने-माने इंडस्ट्री लीडर रविकांत ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अपनी किताब 'लीडिंग फ्रॉम द बैक - टू अचीव द इम्पॉसिबल' की एक कॉपी दी। डॉ. रविकांत दुनिया भर में मशहूर कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव हैं, जिन्होंने एक्सट्रैक्टिव, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में 50 साल के कॉर्पोरेट अनुभव

के साथ कई ग्लोबल ग्रुप्स को लीड किया है। उनकी सबसे नई पोस्ट टाटा में वाइस चेयरमैन के तौर पर थी। वह यूके की वारविक यूनिवर्सिटी में इंडस्ट्रियल प्रोफेसर और आईआईटी खड़गपुर में जाने-माने प्रोफेसर हैं।

पार्टी छोड़ने वाले नेताओं को लेकर अभिषेक बनर्जी का बड़ा बयान, इस शर्त पर एक घंटे में इस्तीफा देने का किया ऐलान

अभिषेक बनर्जी ने नेताओं को चुनौती देते हुए कहा है कि पार्टी छोड़ने वाले नेता अगर दीदी के पास वापस आ जाते हैं तो मैं एक घंटे के अंदर पार्टी से इस्तीफा दे दूंगा।

(जीएनएस)।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी का बयान काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं पर निशाना साधा है। साथ ही ममता बनर्जी के साथ वापस आने की चुनौती भी दी है। अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि अगर ऐसा होता है तो वे खुद ही एक घंटे के अंदर पार्टी से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने ये भी कहा है कि कुछ नेताओं ने जांच एजेंसियों के डर से अपना रास्ता बदल दिया है। साथ ही अपने ऊपर दर्ज मामलों के बारे में कहा है कि वह हर

बार जांच में शामिल हुए हैं और कभी किसी कार्रवाई से नहीं बचे हैं।

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि जो नेता टीएमसी छोड़कर अब उनके खिलाफ बोल रहे हैं, वे फिर से ममता बनर्जी के साथ आ जाएं। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो वह खुद एक घंटे के भीतर पार्टी छोड़ देंगे। उनका कहना है कि ऐसा कोई नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने बोला कि हर व्यक्ति अपनी मर्जी से कहीं भी जा सकता है। लेकिन अगर कोई जांच एजेंसी का नोटिस मिलने के बाद पार्टी बदलता है, तो यह डर की निशानी है। उनके मुताबिक, हिम्मत वाले लोग मुश्किल समय में पीछे नहीं हटते।

अपने खिलाफ मामलों पर क्या कहा?

अभिषेक ने बताया कि उन्हें भी कई बार ईडी, सीबीआई, एसटीएफ और राज्य पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया। उन्होंने हर बार जांच में हिस्सा लिया। उन्होंने यह भी कहा कि उनके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज हैं और सभी मामलों की जानकारी के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में अपील की है।

'अगर धर्मेंद्र प्रधान को पीएम मोदी बर्खास्त नहीं करते तो', अभिजीत दीपके ने सीजेपी के संसद तक मार्च को लेकर क्या कहा?

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने केंद्र सरकार पर शांतिपूर्ण आंदोलन को दबाने का आरोप लगाया।

(जीएनएस)।

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर से ले जाकर सफदरजंग हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने शनिवार को कथित परीक्षा पेपर लीक को लेकर अपना आंदोलन तेज कर दिया। सीजेपी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रही है लेकिन अब पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस्तीफे की मांग कर रही।

द इंडियन एक्सप्रेस से खास बातचीत में कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र पर शांतिपूर्ण आंदोलन को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक को गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में लिया गया है। उन्होंने अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखने की भी कसम खाई और कन्फर्म किया कि 20 जुलाई को पार्टी का संसद तक का तय विरोध मार्च ऑफिशियल परमिशन न होने के बावजूद आगे बढ़ेगा।

वांगचुक को अस्पताल में कराया गया भर्ती

दिल्ली पुलिस ने वांगचुक को उनकी भूख हड़ताल के 21वें दिन विरोध स्थल से हटा दिया। पुलिस ने कहा कि यह कदम दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश और उनकी बिगड़ती सेहत के कारण मेडिकल एक्सपर्ट्स की सलाह पर उठाया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से शांति से जंतर-मंतर खाली करने की अपील की।

यह पूछे जाने पर कि पार्टी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग क्यों बढ़ा दी, अभिजीत दीपके ने कहा कि विरोध पर सरकार के जवाब की वजह से यह बदलाव हुआ है। अभिजीत दीपके ने कहा, ह्लहमें लगा था कि प्रधानमंत्री धर्मेंद्र प्रधान को निकाल देंगे, लेकिन साफ है कि उन्हें निकालने के बजाय, उन्होंने सोनम वांगचुक को जबरदस्ती घसीटा, उन्होंने छात्रों पर हमला किया। अब यह बिल्कुल साफ है कि नरेंद्र मोदी धर्मेंद्र प्रधान को निकालना नहीं चाहते, इसलिए वह भी 20 से ज्यादा छात्रों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। वह एक तानाशाह आदमी हैं, और इसीलिए हम उनके इस्तीफे की मांग करेंगे।'

कॉकरोच जनता पार्टी 28 जून से जंतर-मंतर पर परीक्षा में सुधार और बार-बार पेपर लीक के आरोपों पर प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही है। शनिवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दीपके पर स्याही फेंकी गई। घटना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह इसे इस बात का संकेत मानते हैं कि आंदोलन असर डाल रहा है।

'दलगत राजनीति से ऊपर विकास', पीएम मोदी के साथ मंच साझा करने पर मनीष तिवारी ने तोड़ी चुप्पी, कहा- मैं ऐसा ही हूं

(जीएनएस)।

: चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से अपनी मुलाकात को लेकर जारी चचाओं के बीच कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि वह अब भी थोड़े पुराने विचारों वाले हैं और प्रोटोकॉल में विश्वास रखते हैं।

पीएम मोदी से मुलाकात पर मनीष तिवारी ने क्या कहा

नई दिल्लीः कांग्रेस के दिग्गज नेता और चंडीगढ़ से सांसद मनीष तिवारी की एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा करते हुए तस्वीरें सामने आई थीं। शुक्रवार को दोनों नेता एक साथ नजर आए, उनके बीच कुछ बातचीत भी हुई। जैसे ही ये घटनाक्रम सामने आया राजनीतिक हलकों में इस मुलाकात को लेकर चचाएं शुरू हो गईं। ऐसा होने की वजह भी है। दरअसल, पंजाब में अगले साल चुनाव है, ऐसे में कांग्रेस के भीतर राज्य में नेतृत्व को लेकर एक घमासान नजर आ रहा।

खुद मनीष तिवारी भी पिछले दिनों इस मामले को लेकर अहम टिप्पणी कर चुके हैं। हालांकि, अब पीएम मोदी के साथ मंच शेयर करने और उनसे हुई मुलाकात को लेकर चचाएं शुरू हुईं तो कांग्रेस नेता खुद सामने आकर जवाब दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में इस पूरे मामले पर रिएक्ट किया।

आलोचकों को मनीष तिवारी का जवाब

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को उन आलोचकों को जवाब दिया जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सरकारी कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी पर सवाल उठाए थे। कांग्रेस नेता एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'मैंने हमेशा पार्टी की राजनीति से ऊपर विकास की जरूरतों को रखने की कोशिश की है। मैं ऐसा ही हूं, चाहे कोई कुछ भी सोचे!'

पीएम मोदी के साथ नजर आए थे मनीष तिवारी

पूर्व केंद्रीय मंत्री का यह बयान 17 जुलाई को हुए एक बड़े कार्यक्रम में मनीष तिवारी की मौजूदगी के बाद आया है। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पंजाब को कई सौगातें दी। इस दौरान चंडीगढ़ और मनीष तिवारी के पुराने संसदीय क्षेत्र श्रीआनंदपुर साहिब में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया।

मनीष तिवारी बोले- पहले भी पीएम मोदी से मिला हूं

मनीष तिवारी ने बताया कि पार्टी लाइन से ऊपर क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता देने का यह उनका पहला मौका नहीं था। उन्होंने 24 अगस्त, 2022 की घटना को याद किया, जब पीएम मोदी ने न्यू चंडीगढ़ में होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर का उद्घाटन किया था। उन्होंने कहा कि यह सुविधा अब इस इलाके के हजारों कैंसर मरीजों के लिए एक अहम सहारा बन गई है।

सम्पादकीय

ट्रंप के अनुसार सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं देने वाले मोजतबा खामेनेई 90 फीसदी खत्म

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा अली खामेनेई अपने पिता आयतुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भी नहीं दिखे थे और तब से ही उनकी सेहत को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा कि आयतुल्लाह अली खामनेई मारे जा चुके हैं और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई भी 90 फीसदी खत्म हो चुके हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि उनके पास अब कोई नौसेना नहीं बची है, उनकी वायु सेना भी नहीं बची है, सब वुछ खत्म हो चुका है। उनका एयर डिफेंस सिस्टम भी खत्म हो चुका है। उनके सभी नेता मारे जा चुके हैं। उनके सबसे बेहतरीन नेता मारे जा चुके हैं।

इससे पहले मोजतबा खामेनेई के नाम से शनिवार को जारी एक लिखित बयान में पूर्व सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की हत्या का बदला लेने की कसम खाई। बयान में कहा गया था कि हम अपने पवित्र खून और इन दोनों युद्धों में शहीद हुए सभी लोगों के खून का बदला लेने की कसम खाते हैं। दुनिया भर में ऐसे लोग मौजूद हैं जो बदला लेने को तैयार हैं। इसी साल 23 अप्रैल को अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें बताया गया था कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई अमेरिका-इजरायल के उस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसमें उनके पिता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी। हालांकि वह मानसिक रूप से पूरी तरह सक्रिय हैं। अखबार ने अधिकारियों के हवाले से कहा था, उनके एक पैर का तीन बार ऑपरेशन किया गया है और अब उन्हें वृत्रिम संग्रमित पैर (प्रोस्थेटिक) लगाए जाने का इंतजार है। उनके एक हाथ की भी सर्जरी हुई है और उसकी कार्यक्षमता धीरे-धीरे वापस आ रही है। उनके चेहरे और होंठ पूरी तरह झुलस गए हैं, जिससे उन्हें बोलने में कठिनाई होती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आखिरकार उन्हें प्लास्टिक सर्जरी की भी जरूरत होगी।

बता दें कि इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल हवाई हमलों में आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद मोजतबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया था। नियुक्ति के बाद से ही वह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। उन्होंने कोई वीडियो संदेश भी जारी नहीं किया है। इससे इस बात को लेकर सवाल उठे हैं कि उसी हमले में वह कितने गंभीर रूप से घायल हुए थे? आयतुल्लाह अली खामेनेई के अन्य तीन बेटे मसूद, मुस्तफा और मेमसाम रविवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए थे। उनके साथ राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और रिव्यूल्शनरी गार्ड्स के प्रमुख अहमद वहीदी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। जून में जारी एक बयान में मोजतबा खामेनेई ने कहा था कि सिद्धांत रूप से वह अमेरिका के साथ डील के पक्ष में नहीं थे। लेकिन राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के आश्वासनों के बाद ही उन्होंने इसकी अनुमति देने का पैसला किया। वुवैती अखबार अल जरीदा ने मार्च 2026 में एक रिपोर्ट की थी। इसके मुताबिक मोजतबा खामेनेई को शुरूआत में इलाज के लिए मास्को ले जाया गया था। उसके बाद मोजतबा के स्वास्थ्य को लेकर कोई खबर नहीं आई। इस वक्त मॉस्को खुद असुरक्षित है, वहां लगातार यूव्रेन का हमला हो रहा है, इसलिए इस वक्त चीन को मोजतबा के लिए सुरक्षित माना जाता है। ईरानी जनता चाहती है कि जल्द आयतुल्लाह मोजतबा आवाम के सामने आएं ताकि दुनिया देख सके कि वह ठीक हैं, सुरक्षित हैं।

एक मिनट की मुलाकात...रातोंरात दिल्ली तक पहुंच गई बात

(जीएनएस)।

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सांसद मनीष तिवारी की एक मिनट की बातचीत चर्चा बनी हुई है। पीएम के साथ सांसद तिवारी की ये चर्चा बीते रोज रातोंरात दिल्ली तक पहुंच गई। यही कारण है कि सांसद मनीष तिवारी को शनिवार को सुबह खुलकर सामने आना पड़ा। सांसद मनीष तिवारी ने अपने एक्स पर पीएम के साथ कुछ तस्वीरें साझा की है। इनमें कुछ पुरानी और कुछ पेक में आयोजित कार्यक्रम की है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद मनीष तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया चंडीगढ़ दौरे और विकास परियोजनाओं के उद्घाटन समारोह में अपनी उपस्थिति को लेकर उठे सवालों पर सोशल मीडिया के माध्यम से विस्तृत प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनके लिए विकास की आवश्यकता हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर रही है और यही उनके सार्वजनिक जीवन का मूल सिद्धांत रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे सरकार किसी भी दल की हो, यदि कोई परियोजना जनता के हित में है तो उसका समर्थन करना जनप्रतिनिधि का दायित्व है। मनीष तिवारी ने दोहराया कि लोगों की राय चाहे जो भी हो, वह विकास, लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक शालीनता के सिद्धांतों से समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यही उनकी पहचान है और आगे भी वह इसी सोच के साथ सार्वजनिक जीवन में कार्य करते रहेंगे।

पोस्ट में वर्ष 2022 का भी उल्लेख किया

सांसद तिवारी ने अपने पोस्ट में वर्ष 2022 का भी उल्लेख किया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यू चंडीगढ़ स्थित डॉ. होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (टाटा मेमोरियल सेंटर) का उद्घाटन किया था। उस समय वह श्री आनंदपुर साहिब से सांसद थे और कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि आज यह अस्पताल पूरे क्षेत्र के हजारों कैंसर मरीजों के लिए जीवनदायिनी संस्था बन चुका है। इससे यह साबित होता है कि विकास परियोजनाओं का महत्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं अधिक होता है। उन्होंने कहा कि 17 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी ने चंडीगढ़ और उनकी पूर्व संसदीय सीट श्री आनंदपुर साहिब से जुड़ी कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से लाखों लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इसी सोच के तहत उन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया, क्योंकि जनता की सेवा के लिए चुने गए प्रतिनिधियों का पहला दायित्व लोगों के जीवन को बेहतर बनाना

पहले वैचारिक प्रतिद्वंद्वी होते थे, अब दुश्मन बना दिया जाता है

अपने करीब 45 वर्षों के राजनीतिक जीवन का जिक्र करते हुए मनीष तिवारी ने कहा कि भारतीय राजनीति का स्वरूप तेजी से बदला है। पहले राजनीतिक विरोधी केवल वैचारिक प्रतिद्वंद्वी होते थे, लेकिन अब उन्हें व्यक्तिगत दुश्मन की तरह देखा जाने लगा है। उन्होंने कहा कि यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चिंताजनक है और दिल्ली आज इस बदलती राजनीतिक संस्कृति का सबसे बड़ा उदाहरण बन गई है। तिवारी ने कहा कि वह आज भी ओल्ड स्कूल पॉलिटिक्स में विश्वास रखते हैं, जहां राजनीतिक मतभेदों के बावजूद शिष्टाचार, लोकतांत्रिक मयार्दा और प्रोटोकॉल का सम्मान किया जाता है। उनका मानना है कि लोकतंत्र में विचारों का मतभेद स्वाभाविक है, लेकिन विकास के मुद्दों पर सभी दलों को एकजुट होकर जनता के हित में काम करना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी की तीन देशों की यात्रा से बहुत कुछ सीख सकता है बांग्लादेश - रिपोर्ट

भारत की कूटनीतिक सक्रियता अब केवल बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह क्षेत्रीय व्यवस्था को आकार देने में अहम हो चली हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड यात्रा भारत की इंडो-पैसिफिक रणनीति में बढ़ती सक्रियता का संकेत है।

ढाका, भारत की कूटनीतिक सक्रियता अब केवल बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह क्षेत्रीय व्यवस्था को आकार देने में अहम हो चली हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड यात्रा भारत की इंडो-पैसिफिक रणनीति में बढ़ती सक्रियता का संकेत है।

बांग्लादेशी अखबार 'डेली सन' की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी की 6 से 11 जुलाई तक की छह दिवसीय यात्रा केवल उच्चस्तरीय बैठकों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसका उद्देश्य बढ़ते वैश्विक ध्रुवीकरण के बीच भारत की रणनीतिक और आर्थिक भूमिका को मजबूत करना था।

रिपोर्ट कहती है कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र अब अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और तकनीक के बीच बढ़ते जुड़ाव का प्रमुख केंद्र बन चुका है। अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, समुद्री सुरक्षा और महत्वपूर्ण संसाधनों तक पहुंच को प्रभावित कर रही है।

भारत को केवल एक प्रतिस्पर्धी के तौर पर प्रोजेक्ट नहीं किया गया, बल्कि रिपोर्ट इस प्रक्रिया में शामिल पक्ष के तौर पर भारत का उल्लेख करती है। इसके मुताबिक, भारत खुद को केवल इस प्रतिस्पर्धा में भाग लेने

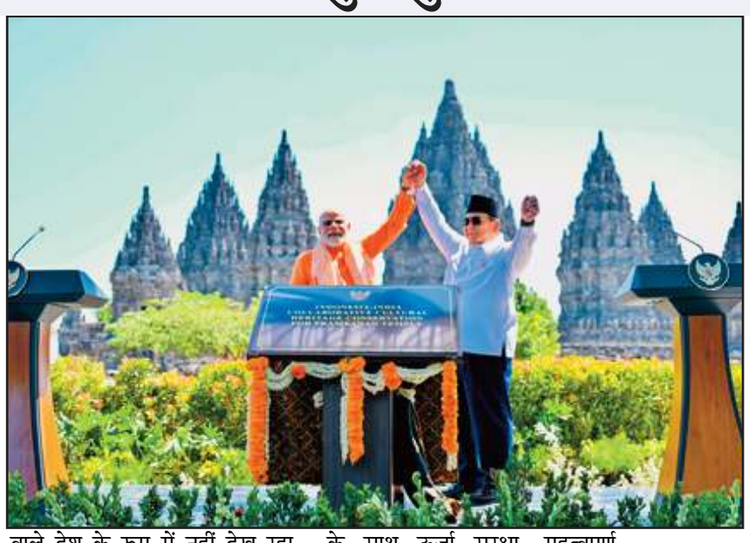

वाले देश के रूप में नहीं देख रहा, बल्कि क्षेत्र के प्रमुख एजेंडा तय करने वाले देशों में शामिल होने की कोशिश कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इंडोनेशिया के साथ बातचीत में समुद्री सहयोग, रक्षा संबंधों और महत्वपूर्ण खनिजों पर ध्यान केंद्रित किया गया। ऑस्ट्रेलिया के साथ ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों और व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। न्यूजीलैंड के साथ कृषि, शिक्षा, नवाचार और आर्थिक सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया गया।

इन यात्राओं ने भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' को आगे बढ़ाने के साथ-साथ स्वतंत्र, खुले और नियम आधारित इंडो-पैसिफिक की सोच को मजबूत किया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि बांग्लादेश को भारत की क्षेत्रीय रणनीति को केवल द्विपक्षीय संबंधों के नजरिए से नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे पूरे क्षेत्र में हो रहे बदलावों के संदर्भ में समझना चाहिए।

इसके अनुसार, भारत की आर्थिक रणनीति को प्रतिस्पर्धा के बजाय अवसर के रूप में देखा जा सकता है। इससे बांग्लादेश को औद्योगिक सहयोग बढ़ाने, तकनीकी निवेश आकर्षित करने और क्षेत्रीय सप्लाई चेन से जुड़ने में मदद मिल सकती है।

ये रिपोर्ट बांग्लादेश का ध्यान प्रमुख मुद्दे की ओर दिलाती है। इसमें कहा गया है, "भारत और बांग्लादेश के संबंध लंबे समय से सीमा, संपर्क व्यवस्था और नदी जल बंटवारे जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहे हैं, लेकिन अब रणनीतिक ध्यान धीरे-धीरे बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। भारत का समुद्री निगरानी तंत्र, बंदरगाह संपर्क और सुरक्षित समुद्री मार्गों पर जोर इस बात को दशार्ता है कि आर्थिक विकास के लिए समुद्री क्षेत्र की भूमिका लगातार बढ़ रही है।"

रिपोर्ट के अनुसार, भारत और बांग्लादेश के बीच बेहतर समुद्री सहयोग से आपदा प्रबंधन, मत्स्य पालन, समुद्री अनुसंधान, बंदरगाह दक्षता और व्यापारिक समुद्री मार्गों की सुरक्षा को मजबूती मिल सकती है।

इसमें कहा गया, "बंगाल की खाड़ी को केवल साझा जल क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि एक साझा आर्थिक क्षेत्र के रूप में देखने की रूरत है, जहां क्षेत्रीय देश मिलकर विकास के नए अवसर पैदा कर सकते हैं।"

'पैड से कितना काम चलेगा, कुछ और करो', 47 साल की एक्ट्रेस का खुलासा, सोहेल खान की फिल्म में हुआ गंदा बर्ताव

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस समीरा रेड्डी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने करियर के शुरूआती दिनों को लेकर शॉकिंग खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया है कि फिल्मों में काम करने के दौरान उनका कॉम्प्लेक्शन बदलने के लिए भारी मेकअप कराया जाता था। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्हें पैडेड ब्रा पहनने के लिए भी मजबूर किया जाता था।

डेब्यू फिल्म में समीरा रेड्डी के साथ हुआ था गंदा बर्ताव

हाउटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में समीरा रेड्डी ने बताया कि उनकी पहली फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया', जिसमें वह सुपरस्टार सलमान खान के छोटे भाई सोहेल खान के साथ नजर आई थीं, के दौरान उन्हें हीरोइन जैसा लुक देने के लिए उनकी असली स्किन टोन से दो से तीन शेड हल्का मेकअप कराया जाता था।

'मेरे रंग पर ताना मारा, पूरे शरीर पर किया मेकअप'

समीरा रेड्डी ने बताया- मेरी पहली फिल्म में मुझे दो-तीन शेड गोरा

दिखाया गया है। मैं ग्रे रंग की लगने लगी थी। चेहरे और शरीर का रंग एक जैसा दिखाने के लिए मेरे पूरे शरीर पर मेकअप किया जाता था। आज भी कई महिलाओं को अपने ही परिवार में ये सुनना पड़ता है कि उनका रंग सांवला है या वो मोटी हैं। आखिर इस खूबसूरती की परिभाषा किसने तय की है?

'मेरे हर आउटफिट में लगे होते थे पैड'

-समीरा रेड्डी ने कहा कि उन्हें फिल्मों के लिए ऐसी इमेज में ढाला गया, जो उनकी असली पहचान और सोच से बिल्कुल अलग थी। समीरा रेड्डी ने कहा- मैं आखिर हूं कौन और मुझे स्क्रीन पर क्या बनकर दिखना है, इसी उलझन से बाहर निकलने में, मैं 40 की उम्र तक पहुंच गई। मुझे खुद को स्वीकार करने में पूरे 2 साल लग गए।-इतने सालों तक मैं पैडेड ब्रा, हिप पैड और रंगीन लेंस पहनती रही। यहां तक कि डिजाइनर्स भी कहते थे कि मुझे अपनी बॉडी को लेकर कुछ करना चाहिए। मेरे हर आउटफिट में पैड लगे होते थे। कई बार तो मुझसे कहा जाता था कि पैड से आखिर कितना काम चलेगा, अब कुछ और भी कर लो।

समीरा रेड्डी का फिल्मी करियर

जानकारी के अनुसार समीरा रेड्डी ने साल 2002में फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने हिंदी, तमिल और तेलुगू फिल्मों में काम किया है। उन्होंने 'डरना मना है', 'मुसाफिर', 'टैक्सी नंबर 9211' और 'रेस' जैसी सुपरहिट फिल्मों में दमदार एक्टिंग कर अपनी अलग पहचान बनाई है।

सनी देओल के 'बंटवारा 1947' का दूसरा टीजर रिलीज, 57 सेकंड का वीडियो दिल दहला देगा

(जीएनएस)।

बॉलीवुड में गदर मचाने वाले हीरो सनी देओल की अपकमिंग फिल्म 'बंटवारा 1947' के रिलीज को लेकर उनके फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। एक्टर के फैंस इस फिल्म के थिएटर पर दस्तक देने का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

फिल्म का मोशन पोस्टर और दमदार कैरक्टर पोस्टर्स सामने आने के बाद से ही इसे लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है। हिम्मत, बलिदान और इंसानी जज्बे की कहानी पर बनी इस फिल्म का पहला टीजर पहले ही लोगों की एक्साइटमेंट बढ़ा चुका था। अब मेकर्स ने इसका एक और दमदार टीजर रिलीज कर दिया है, जिसने धूम मचा दी है।

'बंटवारा 1947' का नया टीजर आज यानी 18 जुलाई 2026 (शनिवार) को रिलीज हो गया है, जिसमें इस हाई-वोल्टेज ड्रामा की एक और दमदार झलक देखने को मिल रही है। सनी देओल एक ऐसे शख्स के किरदार में नजर आ रहे हैं, जो हर मुश्किल का सामना करते हुए अपने परिवार की रक्षा के लिए डटकर खड़ा रहता है। फिल्म का जोश और जुनून इस टीजर में भी पूरी तरह बरकरार है और ये शुरूआत से आखिर तक जबरदस्त असर कर रहा है।

57 सेकंड के इस दूसरे टीजर में आग में लहकते बच्चे के झूले की एक झलक है और पीछे छोटे बच्चे की रोने की आवाज दिल दहला देने वाली है। हर तरफ दरिंदगी दिखाई देती है और लोगों को मौत के घाट उतारा जा रहा होता है। जहां लोगों के खून के प्यासे लोग हर तरफ हैं, वहीं सनी देओल हर दर्द का मर्ज बनकर सामने आते हैं।

टीजर में एक ऐसे निडर हीरो की झलक दिखाई गई है, जो नफरत के सामने पूरे साहस और हौसले के साथ खड़ा रहता है। शुरूआत से आखिर तक रोमांच से भरा ये टीजर देश के बंटवारे के दौर के भारतीय इतिहास के सबसे अहम अध्यायों में से एक की झलक दिखाता है। ये उन दर्दनाक घटनाओं की गूंज है, जिन्होंने दो देशों को अलग कर दिया है और करोड़ों लोगों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी है। इस नए टीजर ने फिल्म को लेकर लोगों की एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

जानकारी के अनुसार फिल्म 'बंटवारा 1947' में सनी देओल के साथ शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे दमदार स्टार्स नजर आएंगे। इस फिल्म के साथ करीब तीन दशक बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की जोड़ी फिर से साथ आई है, जिसका फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।

वॉशिंगटन सुंदर लॉर्ड्स वनडे से हुए बाहर, 23 साल के युवा खिलाड़ी ने किया रिप्लेस

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले लॉर्ड्स एकदिवसीय मुकाबले से पहले भारतीय टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम इंडिया के ऑल राउंडर वॉशिंगटन सुंदर इस मुकाबले से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने उनकी जगह रिप्लेसमेंट की घोषणा भी कर दी है।

कार्डिफ में सुंदर को हेमस्ट्रिंग में चोट थी, इसकी वजह से वह गेंदबाजी करने के लिए भी नहीं आए थे। टीम इंडिया को वहां हार का सामना करना पड़ा था। उनकी जगह 23 साल के युवा क्रिकेटर को बतौर रिप्लेसमेंट टीम में शामिल कर लिया गया है।

बीसीसीआई ने वॉशिंगटन सुंदर की जगह हर्ष दुबे को टीम में शामिल करने की घोषणा की है। हालांकि प्लेइंग इलेवन में उनको जगह मिलेगी या नहीं, इस पर संशय है। शायद उनको बेंच पर ही बैठना पड़ेगा क्योंकि टीम कॉम्बिनेशन में एक

स्पिनर लाया जा सकता है।

कुलदीप यादव की राह आसान

कुलदीप यादव अब तक बेंच पर थे, उनकी जगह अब टीम में पक्की दिखाई दे रही है। कुलदीप यादव की गेंद टर्न भी लेती है और लॉर्ड्स में कंडीशंस उनको सूट करेगी। स्पिन पिच से उनको फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वह गेंद को कलाई से टर्न करने में माहिर हैं और इंग्लैंड को परेशानी हो सकती है।

प्लेइंग इलेवन में बदलाव तय?

सुंदर के बाहर होने पर अब प्लेइंग इलेवन में बदलाव तो तय हो गया है। पिछले मैच में भारतीय टीम को स्पिनर की कमी खली थी। सुंदर ने पहले मैच में बैटिंग से गदर काटते हर फिफ्टी जमाई थी। अगर केएल राहुल फिट होते हैं, तो वह टीम में आ सकते हैं। उनके आने से ईशान किशन को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है।

लॉर्ड्स में कब होगा टॉस?

लॉर्ड्स एकदिवसीय मैच का टॉस दोपहर 3 बजे हो जाएगा। दोपहर 3 बजकर 30 मिनट पर इस मुकाबले की शुरूआत हो जाएगी। भारतीय टीम के लिए सीरीज जीतने का अच्छा मौका है लेकिन एक आंकड़ा ऐसा भी है, जो परेशानी बढाता है। लॉर्ड्स में भारत को 22 सालों से एकदिवसीय क्रिकेट में जीत दर्ज करने का मौका नहीं मिला है। इस आंकड़े को गलत साबित करने का मौका भी भारतीय टीम के पास रहेगा।

राहुल गांधी ने बताया सोनम वांगचुक को हंगर स्ट्राइक से हटाना सही या गलत? जानिए किस नेता ने क्या कहा?

(जीएनएस)।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिनों से भूख हड़ताल कर रहे इंजीनियर और एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह पुलिस सफदरजंग अस्पताल ले गई। इसके बाद पूरा मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी से लेकर उद्धव ठाकरे, अरविंद केजरीवाल, पिनराई विजयन, योगेंद्र यादव और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हुसैन दलवाई तक कई नेताओं ने सरकार के कदम पर अपनी प्रतिक्रिया दी। दूसरी तरफ कॉकरोच जनता पार्टी (उखढ) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने वांगचुक की जगह खुद अनशन शुरू कर दिया। आइए समझते हैं कि किस नेता ने क्या कहा और पूरा घटनाक्रम कैसे आगे बढ़ा।

राहुल गांधी का हमला, 'मोदी सरकार'

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाना गलत फैसला है।

राहुल गांधी ने कहा,

"मोदी सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं। सरकार का रास्ता सच और संवाद नहीं, बल्कि दबाव और टकराव का दिख रहा है। पेपर लीक, महंगी होती शिक्षा और छात्रों की आत्महत्या जैसे सवाल देश के भविष्य से जुड़े हैं। इन मुद्दों पर आवाज उठाने वालों को चुप नहीं कराया जा सकता।"

कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई का कहना था कि सरकार को पहले आंदोलनकारियों से बातचीत करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा,

"इतने लंबे समय से विरोध चल रहा था। समाधान निकालने की कोशिश होनी चाहिए थी। ठएएळ जैसे बड़े विवाद के बाद जवाबदेही तय होना भी जरूरी है। ऐसे मामलों में पहले भी कई बार संबंधित मंत्री पद छोड़ चुके हैं।"

उद्धव ठाकरे ने क्या कहा?

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने इस कार्रवाई को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, "जिस तरह वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाया गया, वह ठीक नहीं था। युवा कई दिनों से भूख हड़ताल पर हैं, लेकिन सरकार बातचीत की बजाय दूसरी राह चुन रही है। अगर ठएएळ जैसा मामला हुआ है तो जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।"

केजरीवाल ने लोगों से क्या अपील की?

आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सोनम वांगचुक शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग लेकर बैठे थे। उन्होंने कहा, "बातचीत करने की जगह बल प्रयोग करना सही रास्ता नहीं है। अगर लोग आज नहीं बोले तो आने वाले समय में छात्रों के मुद्दे और मुश्किल हो सकते हैं।" उन्होंने लोगों से जंतर-मंतर पहुंचकर आंदोलन का समर्थन करने की भी अपील की।

पिनराई विजयन बोले- लोकतांत्रिक विरोध को दबाने की कोशिश

केरल के पूर्व सीएम पिनराई विजयन ने पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक विरोध को दबाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके के खिलाफ हुई कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव ने कहा कि सरकार की कार्रवाई से आंदोलन खत्म नहीं होगा, बल्कि और बड़ा हो सकता है।

अब कैसी है सोनम वांगचुक की हालत? हेल्थ बुलेटिन हुआ जारी

वीएमएमसी सफदरजंग अस्पताल ने शनिवार (18 जुलाई) दोपहर हेल्थ बुलेटिन जारी किया। अस्पताल के मुताबिक सुबह 7:40 बजे दिल्ली पुलिस सोनम वांगचुक को अस्पताल लेकर पहुंची।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

गृह सचिव कुंदन कुमार ने लंबित मामलों की समीक्षा की, समयबद्ध निष्पादन के दिए निर्देश

बिहार के गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय ने मामलों के तेजी से समाधान, अंतर-विभागीय समन्वय में सुधार और कानून प्रवर्तन को मजबूत करने के लिए कई विभागों में लंबित मामलों की एक व्यापक समीक्षा की। बैठक में प्रशासनिक कार्य को गति देने और राज्य की सुरक्षा बढ़ाने के लिए मामलों के समय पर, प्राथमिकता-आधारित निपटान पर जोर दिया गया।

(जीएनएस)।

बिहार गृह विभाग के सचिव कुंदन कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को गृह विभाग एवं पुलिस मुख्यालय से जुड़े विभिन्न लंबित मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित मामलों के त्वरित और समयबद्ध निष्पादन पर जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर सभी मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में पुलिस मुख्यालय, आधुनिकीकरण प्रभाग, प्रोविजनिंग प्रभाग, साइबर प्रभाग, मद्य निषेध एवं स्वापक ब्यूरो, प्रशिक्षण प्रभाग, ईआरएसएस (एफ्रर) परियोजना, सुरक्षा प्रभाग, विशेष शाखा, सीआईडी प्रभाग, कमजोर वर्ग प्रभाग, रेल पुलिस प्रभाग, यातायात प्रभाग और बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस सहित विभिन्न शाखाओं के लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से लंबित मामलों की वर्तमान स्थिति और प्रगति की जानकारी दी।

समीक्षा के दौरान गृह सचिव कुंदन कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने गृह विभाग और पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन से प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी, पुलिस व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा राज्य में कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने में मदद मिलेगी।

बैठक में पुलिस महानिदेशक (अभियान) कुंदन कृष्णन, अपर पुलिस महानिदेशक-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम पंकज कुमार दारद, अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) सुनील कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक (आधुनिकीकरण एवं एससीआरबी) अजिताभ कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक (यातायात एवं विशेष निगरानी इकाई) सुधांशु कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक (आर्थिक अपराध इकाई) अमित कुमार जैन, अपर पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) पारस नाथ, अपर पुलिस महानिदेशक (बीएसएपी) नैयर हसनैन खान, आईजी (मुख्यालय) मनोज कुमार, गृह विभाग के विशेष सचिव क्षत्रनील सिंह एवं अनिल कुमार चौधरी, संयुक्त सचिव कमल नयन सहित गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व पीएम देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का निधन, प्रधानमंत्री मोदी समेत इन नेताओं ने जताया शोक

(जीएनएस)।

नई दिल्ली , पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने फोन पर देवेगौड़ा से बात कर संवेदना जताई और चेन्नम्मा के सादगीपूर्ण जीवन तथा समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने भी उन्हें परिवार की मजबूत आधारशिला बताते हुए श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा से फोन पर बात कर उनकी पत्नी चेन्नम्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया। चेन्नम्मा का बीमारी के कारण कर्नाटक के बंगलूरू स्थित एक निजी अस्पताल में निधन हो गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की पत्नी श्रीमती चेन्नम्मा के निधन से गहरा दुख हुआ। वह अपनी सादगी और समाज सेवा के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित थीं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं देवेगौड़ा और उनके पूरे परिवार के साथ हैं। ॐ शांति।"

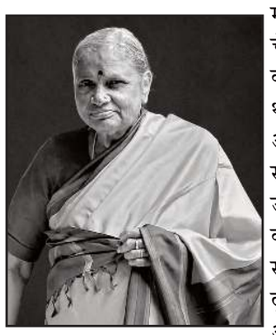

खरगे ने बताया परिवार की शांत शक्ति

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी चेन्नम्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें देवेगौड़ा परिवार की "शांत शक्ति" बताया। उन्होंने कहा कि देवेगौड़ा के साथ उनके लंबे समय से व्यक्तिगत संबंध रहे हैं और इस दुखद घड़ी में वह परिवार के साथ खड़े हैं।

खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, "पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा के निधन का समाचार सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। देवेगौड़ा के साथ वर्षों से मेरे आत्मीय संबंध रहे हैं, इसलिए यह दुख मैं भी महसूस कर रहा हूं। चेन्नम्मा केवल परिवार की शांत शक्ति ही नहीं थीं, बल्कि गहरी आस्था, विनम्रता और समर्पण की प्रतीक थीं। उनका जीवन इस बात का उदाहरण था कि सार्वजनिक जीवन से दूर रहकर भी त्याग और दृढ़ संकल्प के साथ समाज में बड़ा योगदान दिया जा सकता है। इस कठिन समय में मैं शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति दे।"

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने भी जताया दुख

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी चेन्नम्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा के निधन से मैं अत्यंत दुखी हूं। जनता परिवार का सदस्य होने के नाते मेरा देवेगौड़ा परिवार से घनिष्ठ संबंध रहा है और मैं चेन्नम्मा को अच्छी तरह जानता था। उन्होंने जीवन की हर कठिनाई और पीड़ा का साहस के साथ सामना किया। देवेगौड़ा के राजनीतिक जीवन के उतार-चढ़ाव के दौरान उन्होंने बड़े परिवार की जिम्मेदारियां संभालीं और एक आदर्श गृहिणी की भूमिका निभाई।"

उन्होंने आगे कहा, "पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी होने के बावजूद चेन्नम्मा ने कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया और सभी के साथ आत्मीय व्यवहार किया। ईश्वर देवेगौड़ा को इस दुख को सहने की शक्ति दें। मैं पूरे देवेगौड़ा परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। दिवंगत आत्मा को शांति मिले।"

राजनगर एक्सटेंशन में बहन से मिलने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ, बालकनियों से गूंजा जय श्रीराम; बच्चों ने खूब ली सेल्फी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में अपनी बहन पुष्पा चौधरी से मिलने पहुंचे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार की रात को अपनी बहन से मिलने के लिए उनके राजनगर एक्सटेंशन स्थित एमजीआई घरौंदा सोसायटी पहुंचे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार की रात को अपनी बहन से मिलने के लिए उनके राजनगर एक्सटेंशन स्थित एमजीआई घरौंदा सोसायटी पहुंचे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद में अपनी बहन से मिलने पहुंचे।

राजनगर एक्सटेंशन सोसायटी में निवासियों ने जय श्रीराम के नारे लगाए।

सीएम योगी ने बच्चों और लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

(जीएनएस)।

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार की रात को अपनी बहन से मिलने के लिए उनके राजनगर एक्सटेंशन स्थित एमजीआई घरौंदा सोसायटी पहुंचे। रात नौ बजे वह सोसायटी में पहुंचे, इस दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सोसायटी में पहुंचने पर निवासियों ने जय श्रीराम और योगी योगी के नारे लगाए। बहन पुष्पा चौधरी से मुलाकात के दौरान उनका कुशलक्षेम जाना।

जब वह बहन से मुलाकात कर वापस लौटने लगे तो सोसायटी के लोगों और बच्चों ने उनके साथ फोटो खिंचवाने का अनुरोध किया तो मुख्यमंत्री ने उनके साथ फोटो खिंचवाए, इससे लोगों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली।

लगभग 45 मिनट तक वह सोसायटी में रहे। इसके बाद रात्रि विश्राम के लिए जीटी रोड स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंचे। यहां पर उनके भोजन का प्रबंध किया गया था। मुख्यमंत्री को सादा खाना पसंद है। मुख्यमंत्री के लिए लौकी चना की दाल, रोटी, चावल के साथ केले, लौकी और तोरई की सब्जी बनवाई गई थी।

अभिषेक बनर्जी के दफ्तर पर बड़ा ऐक्शन! प्रशासन ने बुलडोजर से ढहाया पांच मंजिला इमारत का हिस्सा

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में शनिवार, 18 जुलाई को एक टीएमसी के खिलाफ एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई देखने को मिली। तृणमूल कांग्रेस (TMC) सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के ऑफिस के एक हिस्से को बुलडोजर से गिरा दिया गया है। यह इमारत साउथ 24 परगना जिले के अमताला-बारुईपुर रोड पर स्थित है। प्रशासन का कहना है कि भवन का कुछ हिस्सा बिना मंजूरी के बनाया गया था।

इससे पहले इमारत को लेकर नोटिस भी जारी किया गया था, लेकिन तय समय के भीतर कोई जवाब या जरूरी दस्तावेज जमा नहीं किए गए। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई का फैसला लिया। सुबह अधिकारियों की टीम भारी पुलिस बल और बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंची और अवैध बताए गए हिस्से को तोड़ दिया। इस कार्रवाई के बाद राज्य की राजनीति में भी हलचल तेज हो गई है।

नोटिस के बाद हुई कार्रवाई

प्रशासन के अनुसार, इमारत को

पहले ही नोटिस भेजा गया था। नोटिस में कहा गया था कि भवन का निर्माण जरूरी मंजूरी के बिना किया गया है। अधिकारियों का दावा है कि समय सीमा पूरी होने के बाद भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिसके बाद बुलडोजर कार्रवाई की गई। शनिवार की सुबह प्रशासन की टीम बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान पांच मंजिला इमारत के उस हिस्से को गिराया गया, जिसे अधिकारियों ने अवैध निर्माण बताया। किसी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी तैनात किए गए थे।

चुनाव के बाद बंद पड़ा था कार्यालय

बताया जा रहा है कि यह कार्यालय विधानसभा चुनाव के बाद से बंद था। प्रशासन का कहना है कि भवन से जुड़े वैध दस्तावेज भी पेश नहीं किए गए, जिसके चलते कार्रवाई की गई। अभिषेक बनर्जी का यह कार्यालय ळटउ की गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता था। यहां पहले पार्टी की कई अहम बैठकें होती थीं। हालांकि चुनाव नतीजों के बाद से यहां गतिविधियां काफी कम हो गई थीं। अब प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीति सरगर्मी तेज हो गई है।

'बिना पूछे दवा दी तो खैर नहीं', सोनम वांगचुक के अस्पताल ले जाने पर भड़की पत्नी गीतांजलि, सरकार को दी चेतावनी

(जीएनएस)।

नीट (ठएएळ-वक्र) पेपर लीक खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को शनिवार (18 जुलाई) को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस कार्रवाई के बाद वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मो ने अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों को सख्त हिदायत दी है। उन्होंने साफ कर दिया है कि उनकी मर्जी के बिना वांगचुक को कोई दवा या ड्रिप न दी जाए।

20 जुलाई को संसद मार्च की तैयारी के बीच हुए इस पुलिस एक्शन से हड़कंप मच गया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि डॉक्टरों की सलाह और दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद उन्हें जरूरी मेडिकल देखभाल के लिए अस्पताल ले जाया गया।

सोनम वांगचुक की पत्नी बोलीं- बिना मर्जी के नहीं होगा कोई इलाज

सफदरजंग अस्पताल पहुंचीं सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ( ) पर एक पोस्ट लिखकर डॉक्टरों और प्रशासन को सीधे चेतावनी दी है। गीतांजलि ने कहा,

"मैं इस समय दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हूं, जहां सोनम वांगचुक को भर्ती किया गया

है। पिछले 20 दिनों से उनकी सेहत पर नजर रख रहे हमारे डॉक्टरों, परिवार और मेरी लिखित सहमति के बिना उन्हें मुंह या नस के जरिए (ओरल या आईवी) कोई भी दवा या लिक्विड नहीं दिया जाना चाहिए।"

न्यूज एजेंसी पीटीआई (ढळक) से बात करते हुए गीतांजलि ने पुलिसिया कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शुक्रवार तक वांगचुक बिल्कुल ठीक थे और उन्हें अस्पताल लाने की कोई जरूरत नहीं थी। उन्होंने इसे आर्टिकल 32 के तहत अपने अधिकारों का हनन बताया है।

अस्पताल ने सोनम वांगचुक की हालत पर क्या कहा?

सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टरों ने 59 वर्षीय सोनम वांगचुक का मेडिकल अपडेट जारी किया है। अस्पताल के मुताबिक, लंबे समय से उपवास पर रहने की वजह से वांगचुक के शरीर में कमजोरी और डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) की शिकायत है। डॉक्टरों की टीम का कहना है कि वे अभी पूरी तरह स्थिर हैं, लेकिन उनके बॉडी पैरामीटर्स को सामान्य करने के लिए उन्हें लगातार डॉक्टरों की निगरानी और इलाज की जरूरत है।

पुलिस का दावा: कोर्ट के आदेश पर उठाया कदम

दूसरी तरफ दिल्ली पुलिस ने इस पूरे मामले पर अपनी सफाई दी है। पुलिस का कहना है कि वांगचुक पिछले 20 दिनों से अनशन पर थे, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ रही थी। एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम की सलाह और दिल्ली हाई कोर्ट के पुराने निदेशों का पालन करते हुए ही उन्हें 'जरूरी मेडिकल केयर' के लिए अस्पताल शिफ्ट किया गया है। इसके साथ ही पुलिस ने जंतर-मंतर पर डटे बाकी प्रदर्शनकारियों से भी जगह खाली करने की अपील की है।

20 जुलाई का संसद मार्च का ऐलान

सोनम वांगचुक 28 जून से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और नीट पेपर लीक की जांच की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर हैं। 20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है, जिसमें वांगचुक ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के बैनर तले संसद मार्च का ऐलान किया है।

अस्पताल जाने से पहले वांगचुक ने समर्थकों से मजाकिया अंदाज में कहा था, "मैं बाहर से भले कमजोर हूं, लेकिन अंदर से बहुत मजबूत हूं। 20 जुलाई के शांतिपूर्ण मार्च के लिए हमें इसी ऊर्जा की जरूरत है। मैं 20 जुलाई तक हर हाल में जिंदा रहूंगा। अगर आप लोग नहीं आए और यह मार्च फेल हुआ, तो मैं भूत बनकर वापस आऊंगा।"

क्या फीफा वर्ल्ड कप फाइनल हो जाएगा रद्द? किस वजह से बढ़ रही है आयोजन की मुश्किलें

(जीएनएस)।

फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबले रविवार को खेला जाएगा। स्पेन और न्यू जर्सी के बीच मुकाबला होना है, खिताबी जीत दर्ज

करने वाली टीम के मजे होंगे। हालांकि मैच को लेकर संकट के बदल भी दिख रहे हैं। कनाडा की तरफ से जंगल में आग के भयंकर धुएं से वातावरण खराब हुआ है।

मुकाबले को देखने के लिए 80000 दर्शकों के आने के आसार हैं। अब सवाल यह है कि क्या मुकाबले को रद्द कर किसी अन्य डेट पर आयोजित कराया जाएगा। इसका उत्तर यही है कि फिलहाल तो ऐसा कुछ होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। वर्ल्ड कप जैसे फाइनल को इस तरह नहीं टाला जा सकता है।

वेदर अधिकारी को किया गया तैनात

फीफा ने एक वेदर अधिकारी को सीधे स्टेडियम में ही तैनात कर दिया है। वह मौसम को लेकर पल-पल के अपडेट्स देगा। इसके आधार पर ही कोई फैसला लिया जा सकेगा। नेशनल वेदर सर्विस का यह अधिकारी मैदान पर मौसम की स्थिति की कड़ी निगरानी करेगा।

बारिश के बाद बढ़ेगी परेशानी

बारिश को लेकर भी एक खबर आई है। शनिवार को बारिश आएगी। उम्मीद थी कि उससे स्थिति ठीक हो जाएगी लेकिन उसके पीछे धुएं का एक और गुब्बार आने की भविष्यवाणी की गई है। इससे चिंता थोड़ी बढ़ सकती है। मैच के दिन इससे हवा खराब होने की संभावना बढ़ गई है।

किस बात का है डर

एक और सवाल यह भी है कि 90 मिनट के मैच में क्या हो जाएगा। इसका जवाब है कि लगातार भागने से प्लेयर्स को सांस लेते हुए अच्छी हवा चाहिए। खराब हवा से फेंफडों में सूजन जैसी स्थिति हो सकती है। अस्थमा की दिक्कतें भी हो सकती है।

जीतने वाली टीम को बड़ी इनामी राशि

वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को एक बड़ी धन राशि इनाम के तौर पर मिलने वाली है। 481 करोड़ भारतीय रुपये मिलने वाले हैं। अब अर्जेंटीना और स्पेन के बीच में टक्कर है। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार टाइटल अपने नाम करने के लिए मैदान पर उतरेगी।

आमिर खान का दम घोंट देंगे', सुपरस्टार को मिली जान से मारने की धमकी, जारी किया ऐसा ऑडियो, क्या करेंगे एक्टर?

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान इस समय सुर्खियों में चाए हुए हैं। आमिर खान ने हाल ही में सोनम वांगचुक का सपोर्ट किया है और उनकी सेहत को लेकर चिंता भी जताई है। आमिर खान ने कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि सोनम वांगचुक जल्द ही अपनी भूख हड़ताल खत्म कर देंगे। इसी बीच खबर आ रही है कि आमिर खान गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर आ गए हैं।

सलमान खान को मिली धमकियों के बाद, अब आमिर खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी दी गई है। ये धमकी एक सोशल मीडिया पोस्ट और एक ऑडियो क्लिप के जरिए दी गई है। कहा जा रहा है कि धमकी देने वाले लॉरेंस बिश्नोई के 2 भाई, आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई हैं। हालांकि सामने आए ऑडियो और सोशल मीडिया पोस्ट की पुष्टि नहीं है।

ईटाइम्स की खबर के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग का आरोप है कि आमिर खान और अन्य लोग देश में 'लव जिहाद' को बढ़ावा दे रहे हैं। गैंग के सदस्यों के अनुसार ऐसा करना भारतीय संस्कृति पर सीधा हमला करना है।

-अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने अपनी पोस्ट में लिखा है- ऐसी हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और तुरंत जवाबी कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय छात्रों के लिए बड़ा झटका, अमेरिका ने बदले स्टूडेंट वीजा नियम

(जीएनएस)।

अमेरिका में पढ़ाई का सपना देखने वाले लाखों विदेशी छात्रों के लिए ट्रंप प्रशासन ने वीजा नियमों में बड़ा बदलाव कर दिया है। दशकों से लागू Duration of Status (D/S) व्यवस्था खत्म कर दी गई है, जिसके तहत छात्र अपनी पढ़ाई जारी रहने तक अमेरिका में रह सकते थे।

अब F, J और I वीजा धारकों को अधिकतम चार साल तक ही अमेरिका में रहने की अनुमति मिलेगी। पढ़ाई पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय चाहिए तो अलग से आवेदन करना होगा। इसके साथ ही ग्रेस पीरियड भी 60 दिनों से घटाकर 30 दिन कर दिया गया है।

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (DHS) ने विदेशी छात्रों के लिए लागू दशकों पुरानी Duration of Status (D/S) व्यवस्था समाप्त कर दी है। अब ऋ (स्टूडेंट), ख (एक्सचेंज विजिटर) और क (विदेशी मीडिया प्रतिनिधि) वीजा धारकों को अनिश्चितकाल तक अमेरिका में रहने की अनुमति नहीं होगी। नए नियम के तहत उन्हें केवल अपने शैक्षणिक कार्यक्रम की अवधि तक, लेकिन अधिकतम चार वर्षों के लिए ही अमेरिका में रहने की अनुमति मिलेगी। इसके बाद आगे रहने के लिए अलग प्रक्रिया अपनानी होगी।

अतिरिक्त समय चाहिए तो करना होगा आवेदन

अगर किसी छात्र की पढ़ाई तय समय में पूरी नहीं होती या उसे रिसर्च, थीसिस या अन्य शैक्षणिक कारणों से अधिक समय चाहिए, तो अब उसे सीधे अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (USCIS) से Extensionof Stay (EOS) के लिए आवेदन करना होगा। इस प्रक्रिया में बायोमेट्रिक जांच, बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और फ्रॉड स्क्रीनिंग शामिल होगी। यानी पहले की तुलना में अतिरिक्त समय हासिल करना अब अधिक कठिन और औपचारिक प्रक्रिया के जरिए होगा।

ग्रेस पीरियड भी आधा किया गया

ट्रंप प्रशासन ने पढ़ाई पूरी होने के बाद मिलने वाली राहत अवधि में भी कटौती की है। पहले विदेशी छात्रों को अमेरिका छोड़ने, किसी दूसरे संस्थान में दाखिला लेने या वीजा श्रेणी बदलने के लिए 60 दिन का ग्रेस पीरियड मिलता था। अब इसे घटाकर सिर्फ 30 दिन कर दिया गया है। इसके अलावा शैक्षणिक कार्यक्रम बदलने और वीजा से जुड़े अन्य नियमों को भी पहले की तुलना में अधिक सख्त बनाया गया है।

DHS ने क्यों किया नियमों में बदलाव?

DHS का कहना है कि इस बदलाव का मकसद वीजा प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाना, कथित वीजा दुरुपयोग पर रोक लगाना और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना है। विभाग के अनुसार कई विदेशी छात्र लगातार नए-नए कोर्स में दाखिला लेकर वर्षों तक अमेरिका में बने रहते थे। नई व्यवस्था के जरिए सरकार ऐसे मामलों पर बेहतर निगरानी रख सकेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि छात्र पढ़ाई पूरी होने के बाद निर्धारित नियमों का पालन करें।

कब से लागू होगा नया नियम?

ऊहर की ओर से जारी Final Rule फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित होने के 60 दिन बाद प्रभावी होगा। खास बात यह है कि फिलहाल Duration of Status व्यवस्था के तहत अमेरिका में रह रहे विदेशी छात्र भी स्वतः इस नए नियम के दायरे में आ जाएंगे। यानी नियम लागू होने के बाद उनके प्रवास की अधिकतम सीमा भी चार वर्ष मानी जाएगी। ऐसे में अमेरिका में पढ़ाई की योजना बना रहे छात्रों को नए वीजा नियमों को ध्यान में रखकर अपनी तैयारी करनी होगी।

शिवपाल यादव का भव्य स्वागत, 30 मेधावी छात्र व छात्राओं को मेडल प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

शिवपाल यादव बोले- 2027 में बनेगी सपा सरकार

(जीएनएस)।

मलिहाबाद लखनऊ मलिहाबाद के कसमंडी कलां स्थित ज्ञानदीप पब्लिक इंटर कॉलेज में शनिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव का भव्य स्वागत हुआ। उन्होंने यूपी बोर्ड 2026 और गत वर्ष की परीक्षा में टॉप करने वाली 30 छात्राओं को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया दोपहर करीब 12 बजे कॉलेज पहुंचने पर छात्राओं ने फूल मालाओं से शिवपाल यादव का स्वागत किया। स्कूल प्रबंधक पंकज यादव और रामगोपाल ने उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया और राधा-कृष्ण की मूर्ति भेंट की।इस दौरान सपा के प्रदेश सचिव रामगोपाल यादव ने शिवपाल यादव के सिर पर पगड़ी बांधकर और गले में सोने की अंगूठी पहनाकर विशेष सम्मानित किया। इस सम्मान से कार्यक्रम में मौजूद कार्यकताओं में

खासा उत्साह देखने को मिला। मुख्य अतिथि शिवपाल यादव ने मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल और प्रमाण पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया। सम्मान के बाद उन्होंने मलीहाबादी आम खाए और अध्यापकों से संवाद किया। उन्होंने कहा "मैं भी एक दिन अध्यापक रह चुका हूं। इस्तीफा देने के बाद ही राजनीति में आया हूं।" शिवपाल ने कॉलेज प्रबंधक पंकज यादव के कार्यों की सराहना की। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि "2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। मौजूदा सरकार कामचोर है।" उन्होंने सोनम वांगचुक का मुद्दा उठाते हुए कहा कि "भारतीय जनता पार्टी सबके साथ अन्याय कर रही है।"

कार्यक्रम में प्रदेश सचिव रामगोपाल यादव, पूर्व मंत्री राजेश कुमार यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रूपनारायण यादव, नगेन्द्र यादव, अशोक प्रधान, सीएल वर्मा, राजबाला रावत, सोनू कनौजिया, वंश यादव सहित सैकड़ों पदाधिकारी और हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कॉलेज के प्रधानाचार्य संजेश व समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहा। कार्यक्रम को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए कसमंडी चौकी पुलिस की अहम भूमिका रही

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का ऐलान, राजकुमार राव की 'श्रीकांत' बनी बेस्ट फिल्म, इन्हें मिला बेस्ट एक्टर और एक्ट्रेस का अवॉर्ड

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का ऐलान, राजकुमार राव की श्रीकांत बनी बेस्ट फिल्म, इन्हें मिला बेस्ट एक्टर और एक्ट्रेस का अवॉर्ड

2वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा हो गई है। आदित्य धर की फिल्म 'आर्टिकल 370' को वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला।

(जीएनएस)।

मुंबई। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा हो गई है। आदित्य धर की फिल्म 'आर्टिकल 370' को वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। वहीं, राजकुमार राव की फिल्म 'श्रीकांत' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला। कार्तिक आर्यन को

फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए बेस्ट एक्टर और यामी गौतम को आर्टिकल 370 के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार दिया गया।

बेस्ट रीजनल फिल्में

श्रीकांत को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म और 'रायन' को सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म चुना गया। 'कमेटी कुर्रोल्लू' को सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म, 'लाहरी' को सर्वश्रेष्ठ ओड़िया फिल्म, 'मुक्काम पोस्ट बॉम्बिलवाड़ी' को सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म और 'सुनीता' को सर्वश्रेष्ठ मणिपुरी फिल्म का पुरस्कार मिला।

'इम्बू' को सर्वश्रेष्ठ तुलु फिल्म, 'मोंग' असुम को सर्वश्रेष्ठ कोंकणी फिल्म, 'मारन' को सर्वश्रेष्ठ गुजराती फिल्म, 'ढोली' को सर्वश्रेष्ठ गढ़वाली फिल्म, 'फेमिनिची फातिमा' को सर्वश्रेष्ठ मलयाली फिल्म, 'मिथ्या' को सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फिल्म, 'चलचित्र एखोन' को सर्वश्रेष्ठ बंगाली फिल्म और 'जुईफूल' को सर्वश्रेष्ठ असमिया फिल्म चुना गया है।

'कैप्टन मिलर' और 'मेय्याझगन' को स्पेशल मेंशन से सम्मानित किया गया।

समाधान दिवस पर अधिकारियों की लापरवाही पर जिला अधिकारी हुए सख्त

केवल तीन शिकायतों का हो सका निस्तारण

(जीएनएस)।

पूरनपुर पीलीभीत #

तहसील पूरनपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रशासनिक लचरता की पोल खुल गई।जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 40 शिकायतें दर्ज की गईं, लेकिन मौके पर फुस्स साबित होते हुए अधिकारी महज 03 शिकायतों का ही निस्तारण कर सके। बाकी 37 शिकायतें फाइलों में धूल फांकती रह गईं। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों की कार्यशैली पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण हर हाल में सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने दो टूक कहा कि केवल कागजी खानापूर्ति से काम नहीं

चलेगा, संबंधित अधिकारी को खुद मौके पर जाकर, दोनों पक्षों को सुनकर निस्तारण करना होगा और उसकी रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।जिलाधिकारी ने चेतावनी दी है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से अब जनसुनवाई की गुणवत्ता की सीधी जांच की जा रही है, इसलिए लापरवाही बरतने वाले अधिकारी अपनी खैर मनाएं। इस दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना और दैवीय आपदा कल्याण योजना के लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए। साथ ही, लम्बे समय से लंबित चल रहे मृतक खातेदारों की वरासत की खतौनी भी उनके वारिसों को सौंपी गई।प्रशासनिक अमला रहा मौजूद

समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, उप जिलाधिकारी, जिला विकास अधिकारी समेत जिले के कई आला अधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने तहसील परिसर में पौधारोपण भी किया।अब देखना यह है कि जिलाधिकारी की इस फटकार का जमीनी असर पड़ता है या फिर अगली बार भी फरियादी अपनी शिकायतें लेकर खाली हाथ ही लौटेंगे।

जन्मदिन पर प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को दी शुभकामनाएं

(जीएनएस)।

पीएम मोदी बोले- विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं अश्विनी वैष्णव

जन्मदिन पर प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को दी शुभकामनाएं, पीएम मोदी बोले- विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने देश के बुनियादी ढांचे, रेलवे आधुनिकीकरण, डिजिटल इंडिया और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

पीएम मोदी ने बताया 'विकसित भारत' का अहम सूत्रधार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर शुभकामना संदेश में कहा कि अश्विनी वैष्णव देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, जो 'विकसित भारत' के निर्माण में अहम

योगदान देगा। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार से जुड़े भविष्य के क्षेत्रों को बढ़ावा देने के उनके प्रयास भी सराहनीय हैं। प्रधानमंत्री ने उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की।

नितिन गडकरी ने दी दीर्घायु की शुभकामनाएं

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अश्विनी वैष्णव को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना की।

सिंधिया ने रेलवे और डिजिटल भारत में योगदान को सराहा

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में भारतीय रेल, डिजिटल भारत और जनसंचार के क्षेत्र लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। उन्होंने प्रभु श्रीराम से उनके स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की प्रार्थना की।

हिमंता बिस्वा सरमा ने आधुनिकीकरण के प्रयासों की सराहना की

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि अश्विनी वैष्णव भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण, उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन के लिए मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव से प्रार्थना की।

ओम बिड़ला और जितेंद्र सिंह ने भी दी शुभकामनाएं

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने अश्विनी वैष्णव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, प्रसन्न और मंगलमय जीवन की कामना की। वहीं केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी उन्हें स्वस्थ, प्रफुल्लित और दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं दीं।

भूपेंद्र पटेल ने सेमीकंडक्टर मिशन में भूमिका की सराहना की

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि अश्विनी वैष्णव प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारतीय रेल के आधुनिकीकरण के साथ-साथ देश को सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

नव भारतीय किसान संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में, राष्ट्रीय, प्रदेश व मंडल स्तर पर हुआ बड़ा संगठनात्मक विस्तार

पीलीभीत के भी कुछ चेहरे शामिल

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश/पीलीभीत।

नव भारतीय किसान संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार, 16 जुलाई को लखनऊ में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल शुक्ला ने की। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय, प्रदेश, मंडल एवं जिला स्तर पर कई महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की नियुक्तियों की घोषणा की गई।राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल शुक्ला ने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसानों, युवाओं, मजदूरों एवं समाज के सभी वर्गों की आवाज को मजबूती प्रदान करना है। उन्होंने नव नियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने का आ'ान किया।बैठक में किए गए संगठनात्मक विस्तार के तहत रघुराज

प्रताप सिंह को राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं बुंदेलखंडझपश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी, भारद्वाज उपाध्याय को प्रदेश अध्यक्ष (पश्चिमी उत्तर प्रदेश), संजय कुमार को मंडल अध्यक्ष, आगरा, मुकेश कुमार को पश्चिमी जिला अध्यक्ष, आगरा, तेज सिंह फौजी को सैनिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष तथा सद्दाम खान को युवा मंडल अध्यक्ष, बरेली के पद पर मनोनीत किया गया।राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल शुक्ला ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी पदाधिकारी संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा संगठन की गरिमा और अनुशासन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने, किसानों के अधिकारों की रक्षा करने तथा गांव-गांव तक संगठन का विस्तार करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने नव नियुक्त सभी साथियों का जोरदार स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

'मेरा युवा भारत' के माध्यम से साकार हो रहा है प्रधानमंत्री का एक लाख युवा नेताओं का दृष्टिकोण: डॉ. मनसुख मांडविया

(जीएनएस)।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के युवा मामले विभाग ने मेरा युवा भारत (ट ईँ१३) के माध्यम से लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में "विकसित युवा बनाएगा विकसित भारत" विषय पर दो दिवसीय चिंतन शिविर का शुभारंभ किया। इस प्रकार का यह चौथा चिंतन शिविर है, जिसमें विभाग, 'माय भारत', राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), जिला युवा अधिकारियों, क्षेत्रीय निदेशकों तथा केंद्रीय क्षेत्र के विभिन्न राज्यों के फील्ड अधिकारियों ने भाग लिया। शिविर का उद्देश्य भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सशक्त एवं भविष्य के लिए तैयार युवा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना है। सुव्यवस्थित चचाओं, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान और सहयोगात्मक नीति-निर्माण के माध्यम से, यह शिविर जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को मजबूत करने और युवा विकास के लिए एक व्यावहारिक रोडमैप तैयार करने का प्रयास करता है।

उद्घाटन सत्र में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री गिरीश चंद्र यादव, युवा कार्य विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल, संयुक्त सचिव श्री शिव रतन, तथा 'माय भारत' एवं एनएसएस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य वक्तव्य में डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में चिंतन शिविर आयोजित करने का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे अधिकारियों के बीच संवाद, सहयोग और साझा सीखने की संस्कृति विकसित करना है। उन्होंने कहा, "चिंतन का अर्थ विचारों का संग्रह है। हमने यह शिविर संवाद को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया है, क्योंकि संवाद के बिना स्पष्टता नहीं हो सकती और स्पष्टता के बिना प्रभावी क्रियान्वयन संभव नहीं है।"

डॉ. मांडविया ने 'माय भारत' को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना बताते हुए कहा कि यह मंच ऐसे सक्षम युवा नेताओं की पीढ़ी तैयार करने के लिए बनाया गया है जो विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। समाज के हर वर्ग से एक लाख युवा नेता तैयार करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि 'माय भारत' युवाओं को नेतृत्व, चरित्र-निर्माण और राष्ट्र-निर्माण से जोड़ने का प्रयास करता है। उन्होंने जिला युवा अधिकारियों और एनएसएस कार्यकताओं से 'पंच प्राण' के अनुरूप 'कर्तव्य भाव' और 'सेवा' के साथ काम करने का आग्रह किया, और उनसे खुद को युवा सशक्तिकरण के सूत्रधार के रूप में देखने का आ'ान किया। उन्होंने कहा, "अपने काम को केवल रोजगार के रूप में न देखें। आपकी जिम्मेदारी इस देश के युवाओं को जागरूक और सशक्त बनाना है। जब हम अधिकारियों के बजाय सेवा प्रदाताओं के रूप में काम करते हैं, तो परिणाम हमेशा बेहतर होते हैं।"

केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों से 15

विक्रम-1: भारत के अंतरिक्ष भविष्य की रूपरेखा : सुधार, प्रगति और उड़ान

एक नया दौर: भारत ग्लोबल स्पेस हब के रूप में उभर रहा है

(जीएनएस)।

भारत सरकार के दूरदर्शी सुधारों के चलते देश का अंतरिक्ष क्षेत्र ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। स्काईरूट एयरोस्पेस के भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 के प्रक्षेपण की तैयारी इस परिवर्तन का प्रतीक है। इंडियन स्पेस पॉलिसी 2023 ने पूरी स्पेस वैल्यू चेन को निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया है, जिससे नवाचार, निवेश और उद्यमिता को नई गति मिली है। आज भारतीय उद्योग उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण सेवाओं, अंतरिक्ष अनुप्रयोगों और डाउनस्ट्रीम सेवाओं में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इन सुधारों का प्रभाव आंकड़ों में भी स्पष्ट है। 2014 में केवल एक स्पेस स्टार्टअप वाला भारत 2026 तक 400 से अधिक स्पेस स्टार्टअप्स का देश बन चुका है, जो निजी भागीदारी और नवाचार के तेजी से बढ़ते विस्तार को दर्शाता है।

सरकार के सुधारों से भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था भी तेजी से आगे बढ़ रही है। वर्तमान में लगभग 8.4 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य वाली इस अर्थव्यवस्था के 2030 तक बढ़कर 40झ45 अरब अमेरिकी डॉलर और 2040 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य है। सरकार का निरंतर सहयोग, अनुकूल नीतियां और मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) इस विकास को गति दे रही हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, नवाचार और वाणिज्यिक अंतरिक्ष गतिविधियों के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। भारत के अंतरिक्ष भविष्य की यात्रा के बारे में और जानने के लिए पढ़ें: इंडिया स्पेस ओडीसी

मिशन आगमनः विक्रम-1

- स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित 'विक्रम-1' भारत का पहला निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल प्रक्षेपण यान है, जो 350 किलोग्राम तक के पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) में स्थापित करने में सक्षम है। ऑर्बिटल प्रक्षेपण यान उपग्रहों को पृथ्वी की निर्धारित कक्षाओं में स्थापित करते हैं, जिससे संचार, नौवहन, पृथ्वी अवलोकन और वैज्ञानिक अनुसंधान जैसी सेवाओं को बढ़ावा मिलता है।

- इसे पूरी तरह से कार्बन कम्पोजिट स्ट्रक्चर, भरोसेमंद सॉलिड-फ्यूल बूस्टर और 3डी-प्रिंटेड लिक्विड इंजन से बनाया गया है; विक्रम-1 भारत की बढ़ती प्राइवेट-सेक्टर लॉन्च क्षमताओं को दिखाता है।

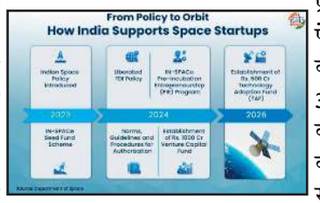

- विक्रम-1 का प्रक्षेपण 'मिशन आगमन' के तहत 12 जुलाई से 4 अगस्त, 2026 के बीच निर्धारित है। इस मिशन की सफलता भारत की स्वदेशी वाणिज्यिक प्रक्षेपण क्षमता और अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सरकारी सुधारों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करेगी।

- इस मिशन के तहत कई ग्राहक पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा में 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा। इनमें स्काईरूट का स्कोप उपग्रह, डीक्यूब्ड का प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पेलोड, ग्रहा स्पेस का सोलारास एस-3 उपग्रह तथा कॉस्मोसर्व स्पेस की 'एम्ब्रेस' नामक रोबोटिक भुजा शामिल है। 'एम्ब्रेस' को अंतरिक्ष में मौजूद मलबे को पकड़ने के लिए विकसित किया गया है।

- विक्रम-1 की पहली उड़ान में दो विशेष वस्तुएं भी भेजी जाएंगी—'कॉस्मिक ब्लूम', जो फूल के आकार की एक कलाकृति है और 18 कैरेट सोने से बना एक सूक्ष्म रॉकेट। इस सूक्ष्म रॉकेट पर सी. वी. रमन, विक्रम साराभाई और डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की अत्यंत सूक्ष्म आकृतियां उकेरी गई हैं, जिनमें से प्रत्येक का आकार चावल के एक दाने से भी छोटा है। यह भारत के महान वैज्ञानिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक प्रयास है।

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को सक्षम बनाने वाले प्रमुख सुधार

भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधारों के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने और नवाचार के नए अवसरों को प्रोत्साहित करने की दिशा में कई अहम कदम उठाए हैं।

भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023

भारत सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 अधिसूचित की है, जिसके तहत गैर-सरकारी संस्थाओं को अंतरिक्ष क्षेत्र की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में भागीदारी की अनुमति दी गई है। इस नीति ने भारत में निजी क्षेत्र के लिए अंतरिक्ष गतिविधियों के नए अवसर खोले हैं। इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देना, नए विचारों और उद्यमों को प्रोत्साहित करना तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश को बढ़ाना है। साथ ही, यह नीति अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी बढ़ावा देती है और अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग एवं अन्वेषण के लिए वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करती है। ये सभी कदम मिलकर एक महत्वपूर्ण बदलाव की ओर अग्रसर हैं।

एकल-खिड़की अंतरिक्ष नियामक

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं की अंतरिक्ष गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें आवश्यक अनुमतियां प्रदान करने के लिए एक स्वतंत्र एकल-खिड़की एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है।

भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 के लागू होने के बाद इन-स्पेस को और अधिक सशक्त बनाया गया है। यह संस्थानों को एक स्पष्ट और स्थिर नियामक ढांचा उपलब्ध कराता है तथा उद्योग की व्यापक भागीदारी को आसान बनाता है। साथ ही, यह इसरो की सुविधाओं, प्रौद्योगिकी और तकनीकी विशेषज्ञता तक पहुंच उपलब्ध कराता है तथा पारदर्शी दिशा-निर्देशों के माध्यम से अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाता है।